Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Ek Sandesh**
Date	**19.12.2021**

लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। 2021= केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोमेंटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल

विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, ÷यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ÷स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Sapt Ratna**
Date	**19.12.2021**

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

''लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन, राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा''

लखनऊ, १८ दिसम्बर । केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रानिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलाजी जैसे क्रास-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले ४-५ वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।

उन्होंने ये भी कहा कि स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी २०२१ से हम हर महीने २ यूनिकार्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने २०१४ में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने ३ उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम १०० रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में सम्मान राशि प्राप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।

इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार ने कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत माहौल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रानिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए १५ मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में...

शेष पृष्ठ ८ पर

पीएम गतिशक्ति योजना को मिला प्रोत्साहन

लाजिस्टिक लागत में कमी लाना है। वर्तमान में, भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Jan Express**
Date	**19.12.2021**

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन, राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

'भारत' दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

केन्द्रीय राज्य मंत्री महनीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोमेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

केंद्र का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे ब्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बना रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में सम्मान राशि प्राप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।

इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने, अस्पताल को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप्स उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थान मिला है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं, को-वर्किंग/इनक्यूबेशन स्पेस, हाई स्पीड इंटरनेट (500 एमबीपीएस), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफोमेटिक्स और आईओटी लैब्स, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सहायता, मार्केटिंग के लिए सहायता और अन्य सुविधाओं के साथ नेटवर्क आउटरीच प्रदान करेगा।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार की साझेदारी में नवनिर्मित सुविधा को रणनीतिक रूप से पीजीआई मेडिकल में रखा गया है, जो मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है।

आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत उठाया लाभ

मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वर्तमान में 10 अरब डॉलर होने का अनुमान है और 2025 तक 50 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत की जबरदस्त आयात निर्भरता भी है। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आत्म निर्भर मिशन' को बढ़ावा देने में मदद की उम्मीद है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थापित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है। आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उठाया है। इसने लाभार्थियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की सुविधा प्रदान की है जिसने भ्रष्टाचार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**NBT**
Date	**19.12.2021**

केंद्रीय आईटी ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री ने किया उद्घाटन

पीजीआई में शुरू हुआ देश का पहला मेड-टेक सॉफ्टवेयर पार्क

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

- मेडिकल क्षेत्र के स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा
- नए मेडिकल उपकरण बनाने पर होंगे शोध

एसजीपीजीआई में शनिवार को देश के पहले मेड-टेक सॉफ्टवेयर पार्क की शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन केंद्रीय आईटी ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने किया। इस केंद्र के जरिए मेडिकल क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने में छात्रों को मदद मिलेगी तो डॉक्टर और इंजिनियर साथ मिलकर नए मेडिकल उपकरण बनाने पर शोध कर सकेंगे। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से फंडिंग दी जाएगी। साथ ही तकनीकी सहयोग भी मुहैया करवाया जाएगा।

मेडि-टेक सॉफ्टवेयर पार्क के उद्घाटन के मौके पर मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यहां हर महीने दो यूनिकॉर्न यानी 8 हजार करोड़ से बड़ी कंपनियां खुल रही है। पिछले साल कुल 3200 स्टार्टअप शुरू हुए थे तो इस साल 5291 स्टार्टअप हो चुके हैं। कोविड के बाद स्टार्टअप का सबसे ज्यादा फोकस हेल्थ पर है। यूपी में भी एक साल में दो हजार से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल इकॉनमी को तेजी से बढ़ा रहे हैं। जल्द ही इंटरनेट स्पीड बढ़ाने के लिए भी नई शुरुआत होगी। इस मौके पर प्रदेश के न्याय एवं कानून मंत्री बृजेश पाठक और राज्यमंत्री स्वाति सिंह व पीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमन भी मौजूद रहे।

10 करोड़ देगी प्रदेश सरकार

प्रमुख सचिव आईटी अरविंद कुमार ने बताया कि पीजीआई में मेडि-टेक पार्क को पांच साल के लिए कुल 22.25 करोड़ दिए जाएंगे। इसमें दस करोड़ रुपये प्रदेश सरकार देगी। सरकार ने 15 जिलों में 41 इंक्यूबेटर सेंटर भी बनाए हैं। इसके साथ प्रदेश के हर जिलों में एक-एक इंक्यूबेटर बनाने का लक्ष्य है। इस केंद्र पर जिनका भी चयन होगा, उन्हें पहले एक साल 15 हजार प्रति माह मिलेगा। वहीं, मार्केटिंग असिस्टेंस के लिए 5 लाख, नैशनल पेटेंट रजिस्ट्रेशन के लिए 2 लाख और इंटरनैशनल रजिस्ट्रेशन के लिए 10 लाख की ग्रांट दी जाएगी।

23 स्टार्टअप का चयन

मेडि-टेक सॉफ्टवेयर पार्क के लिए 23 स्टार्टअप का चयन हो चुका है। पहले दिन इन्में 12 स्टार्टअप का प्रेजेंटेशन हुआ। एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि ये स्टार्टअप प्रदेश के कई जिलों से हैं। इन्हें काम करने की जगह, आईओटी लैब, हाई स्पीड इंटरनेट, बौद्धिक संपदा मार्केटिंग और फंडिंग दी जाएगी। वहीं, पीजीआई मेडिकल उपकरण और चिकित्सीय सहायता मुहैया करवाएगा।

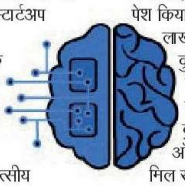

इन्हें मिली सराहना

पीजीआई के धीरज सिंह ने विडियो लेरिंगोस्कोप का मॉडल पेश किया। अभी यह उपकरण दूसरे देशों से तीन से चार लाख रुपये में मंगाया जाता है, लेकिन अब यह महज कुछ हजार रुपयों में तैयार हो जाएगा। आईटी मंत्री ने पीजीआई निदेशक को इसके उत्पादन पर आगे काम करने को कहा। वहीं, वाराणसी के अमित कुमार ने उपचार ऐप का मॉडल दिखाया। इसेमं ऑनलाइन कैब सर्विस की तरह एंबुलेंस सुविधा मिल सकती है। इसी तरह मोबाइल से सेंसर लगाकर शुगर लेवल चेक करने के मॉडल पर भी चर्चा हुई।

आधे घंटे के बजाय 5 मिनट में होगी आंख की सर्जरी

केजीएमयू के डायबिटिक रेटीनोपैथी सेंटर में आई मल्टी स्पॉट लेजर मशीन

■ **एनबीटी सं, लखनऊः** केजीएमयू में अब डायबिटिक रेटीनोपैथी की लेजर सर्जरी महज पांच से सात मिनट में हो सकेगी। दरअसल, केजीएयमू में अडवांस डायबिटिक रेटीनोपैथी सेंटर बनाया जा रहा है। इसके तहत यहां डायबिटिक रेटीनोपैथी की लेजर सर्जरी के लिए हाई ऐंड मल्टी स्पॉट लेजर मशीन लगाई जा रही है। इसके साथ स्टेट ऑफ आर्ट लेजर मशीन और आंख के परदे की सर्जरी के लिए हाई एंड विट्रेक्टमी मशीन भी खरीदी गई है। इन मशीनों की मदद से कम से कम समय में वेहतर सर्जरी हो सकेगी।

देश में डायबीटीज के मरीज तेजी से वढ़ रहे हैं। इस कारण डायबिटिक रेटीनोपैथी के मरीज भी वढ़ रहे है। इसमें लापरवाही से आंख की रोशनी तक चली जाती है। ऐसे मरीजों के लिए अडवांस डायबिटिक रेटीनोपैथी सेंटर संजीवनी का काम करेगा। केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग के डॉ. संदीप सक्सेना ने वताया कि डायबिटिक रेटीनोपैथी में आंख के पर्दे में सूजन और आंख में ब्लड आ जाता है। इसका लेजर मशीन से सर्जरी कर उपचार किया जाता है। अव तक केजीएमयू में वन स्पॉट मशीन थी। यह एक वार में एक स्पॉट ही कवर करती थी, जवकि नई मशीन मल्टी स्पॉट मशीन है, जिससे एक वार में वीस स्पॉट कवर होते हैं। इससे 20 मिनट से आधे घंटे में होने वाली सर्जरी अव पांच से सात मिनट में हो जाएगी। वहीं, विट्रेक्टमी मशीन से आंख के पर्दे की वेहतर सर्जरी हो सकेगी।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Amar Ujala**
Date	**19.12.2021**

डॉक्टर व इंजीनियर मिलकर करें काम, मरीजों को मिलेगा फायदा

माई सिटी रिपोर्टर

केंद्रीय राज्यमंत्री ने मेडटेक सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का किया उद्घाटन

केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने किया दीप प्रज्वलन। विधि मंत्री ब्रजेश पाठक रहे मौजूद। -संवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डॉक्टर-इंजीनियर साथ काम करेंगे तो मरीजों को सस्ती दर पर बेहतर उपकरण मिल सकेंगे। मेडटेक स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह बातें इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कही। वे शनिवार को एसजीपीजीआई में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जनवरी 2021 से हर माह दो यूनिकॉर्न कंपनियां खुल रही हैं। एसजीपीजीआई में खुल रहे मेडटेक के जरिए मेडिकल व टेक्नोलॉजी को बढ़ावा मिलेगा। वहीं इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। न्याय एवं कानून मंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री स्वाति सिंह ने भी संबोधित किया। पीजीआई के निदेशक प्रो. आरके धीमान, एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनीत कंसल ने भी अपनी बात रखी।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Hindustan**
Date	**19.12.2021**

पीजीआई-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग के बीच करार, सेंटर फॉर एक्सीलेंस भी बनेगा

पीजीआई बनाएगा चिकित्सा उपकरण

अच्छी खबर

लखनऊ | संवाददाता

1 पीजीआई अब बीमारियों की पहचान और उपचार के साथ चिकित्सा उपकरण भी बनाएगा। यहां के डॉक्टर बीमारी की जांच और इलाज में प्रयोग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यमियों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैयार करेंगे। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा सांउड, थर्मामीटर, स्टंट, इम्प्लांट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंगे। स्वदेशी उपकरणों की कीमत कम होगी। उपकरणों का निर्माण पीजीआई में बने मेडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा।

पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन बताते हैं कि यह सेंटर संस्थान में लाइब्रेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़ रुपये से तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग ने काम शुरू कर दिया है।

22 हजार करोड़ से पीजीआई में बनेगा सेंटर फॉर एक्सीलेंस

50 स्टार्टअप उपकरणों के निर्माण के लिए चुने जा चुके हैं।

पीजीआई के सीवी रमन ऑडिटोरियम में शनिवार को मेडटेक सेंटर फॉर इंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया गया।

इलाज में डेटा साइंस बनेगा मददगार

संस्थान निदेशक डॉ. धीमन ने बताया कि डेटा सांइस की मदद से मरीजों के डाटा के आधार पर बीमारियों की पहचान व उपचार में आसान होगी। यहां के मरीजों के डेटा का इसमें प्रयोग करेंगे। शोध कार्यों और मेडिकल उपकरणों के स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में इनक्यूबेशन सेंटर का अहम योगदान है। यह सेंटर प्रारंभिक चरण में स्टार्टअप्स के लिए संजीवनी का काम करते हैं। यह सेंटर व्यापारिक एवं तकनीकी सुविधाओं, सलाह, नेटवर्क को विस्तार देगा।

— 80% उपकरण विदेश में बने प्रयोग हो रहे —

डा. धीमन ने बताया कि अभी चिकित्सा उपकरणों में 80 फीसदी दूसरे देशों के बने प्रयोग हो रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। इससे मरीजों को सस्ता इलाज मिलने के साथ शोध का दायरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच, ऑपरेशन के अलावा विभिन्न अंगों में लगने वाले स्टंट, इम्प्लांट, बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इनके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत ज्यादा है।

कोरोनाकाल में स्टार्टअप ने दी राहत

लखनऊ | संवाददाता

भारत विश्व का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यूपी में एक साल के भीतर दो हजार से ज्यादा स्टार्टअप शुरू हुए हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

ये बातें पीजीआई में शनिवार को सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया के मेडटेक सेंटर फॉर इंटरप्रेन्योरशिप के उद्घाटन पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहीं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप की संख्या 3200 से 5291 हो गई है। कोरोनाकाल में डिजिटल इंडिया की उपयोगिता बढ़ी है। घर बैठे परामर्श-उपचार मिला है। कानून मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि देश में चिकित्सा का दायरा बढ़ रहा है। एक दिन विदेश के लोग इलाज कराएंगे। राज्य मंत्री स्वाति सिंह ने कहा कि स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। एकेटीयू वीसी विनीत कंसल ने उपकरण बनाने में पीजीआई को मदद का भरोसा दिया। अपर मुख्य सचिव आईटी अरविंद कुमार ने कहा कि एक्सीलेंस सेंटर को पांच साल में करीब 22.25 करोड़ दिये जाएंगे। इसमें दस करोड़ रुपये प्रदेश सरकार देगी। 15 जिलों में कुल 41 इंक्यूबेटर सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

सॉफ्टवेयर पार्क के लिए 15 स्टार्टअप चयनित

एसटीपीआई महानिदेशक अरविन्द कुमार ने कहा कि सॉफ्टवेयर पार्क के तहत 15 स्टार्टअप चुने गए हैं। शनिवार 12 स्टार्टअप ने अपने-अपने मॉडल के प्रोटो टाइप के जरिए जानकारी दी। यह स्टार्टअप कई जिलों के हैं। इन्हें काम करने की जगह, आईओटी लैब, हाईस्पीड इंटरनेट, बौद्धिक संपदा मार्केटिंग, फंडिंग के लिए सहायता दी जाएगी। मेडिकल उपकरण में मदद पीजीआई करेगा।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Rastriya Sahara**
Date	**19.12.2021**

PGI : केन्द्रीय मंत्री ने मेडटेक का किया उद्घाटन

- राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा
- भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : केन्द्रीय राज्य मंत्री

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**AAj**
Date	**19.12.2021**

पीजीआई में अब बनेंगे स्वदेशी चिकित्सा उपकरण

लखनऊ। पीजीआई अब चिकित्सा उपकरण के क्षेत्र में भी कीर्तिमान स्थापित करेगा। चिकित्सा के क्षेत्र में अपना नाम रौशन करने के बाद पीजीआई ने स्वदेशी तकनीक से कम कीमत में उपकरणों के निर्माण करने की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं। यहां के डॉक्टर बीमारी की जांच और इलाज में प्रयोग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यमियों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैयार करेंगे। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा साउंड, थर्मामीटर, स्टंट इम्प्लांट के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन बताते हैं कि यह सेंटर संस्थान में लाइब्रेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़ रुपये से तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और केंद्रीय

पीजीआई और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग के बीच हुआ करार

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफ र्मेटिक्स विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। स्वदेशी तकनीक से बनने वाले इन उपकरण की कीमत भी काफ ी कम होगी। उपकरणों का निर्माण पीजीआई में बने मेडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा। वर्तमान में चिकित्सा उपकरणों में 80 फीसदी उपकरण दूसरे देशों के बने प्रयोग किए जा रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर यहां उपलब्ध होंगे। इससे मरीजों को सस्ता व सुगम इलाज मिलने के साथ ही शोध का दायरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच, ऑपरेशन के अलावा शरीर के विभिन्न अंगों में लगाए जाने वाले स्टंट, इम्प्लांट व बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इन उपकरणों से लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत बहुत ज्यादा है। इसके अलावा डा. धीमान ने यह भी बताया कि डेटा साइंस की मदद से मरीजों के डाटा के आधार पर बीमारियों की पहचान व उपचार में आसान होगी।

सर्द हवाओं के चलते सफर करने से कतरा रहे यात्री

लखनऊ। सर्द हवाओं के बीच ट्रेन, बसों के सफर से यात्रियों ने दूरी बनानी शुरू कर दी है। यात्रियों की भीड़भाड़ से भरे रहने वाले चारबाग रेलवे स्टेशन, कैसरबाग बस अड्डे के काउंटरों पर शनिवार इक्का-दुक्का यात्री नजर आए। स्टेशन के प्लेटफार्म और रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या 10 से 15 फीसदी गिरावट है। चारबाग बस स्टेशन इंचार्ज मो. आमिर ने बताया कि सहालग खत्म होने के साथ सर्द हवाओं के चलते यात्री सफर करने से कतरा रहे है। यही वजह है कि बसों में यात्री लोड फैक्टर 85: से घटकर 70: पहुंच गए। ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। चारबाग आरक्षण केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 14 दिसंबर से लंबी दूरी की ट्रेनों में बेटिंग 100 से कम पहुंच गई है।

र्थियों ने घेरा
मंत्री का घर

मांग है कि सरकार 1,37,000 भर्ती पदों में 22,000 रिक्त पदों को जोड़ा जाए। साथ ही 69,000 शिक्षक भर्ती में जो आरक्षण घोटाला हुआ है, उसमें भी उनका हक दिया जाए। इन्हीं मांगों को लेकर सरकार और यह ओबीसी, दलित वर्ग के छात्र आमने-सामने हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन अभ्यर्थियों की सरकार के नुमाइंदों के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन वह विफल साबित हुई है। अब यह अभ्यर्थी लगातार बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास और ऑफिस घेर कर भर्ती करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल दोनों के बीच जल्द समझौते की बात तो कही जा रही है लेकिन यह समझौता कब होगा इस पर स्पष्ट कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है।

एसजीपीजीआई में सेंटर आफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन करते केन्द्रीय इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Voice of Lucknow**
Date	**19.12.2021**

पीजीआई में चिकित्सकीय उपकरण भी बनेंगे

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग से हुआ करार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। संजय गांधी पीजीआई में अब मरीजों के इलाज के साथ चिकित्सीय उपरकण भी बनेंगे। शनिवार को यहां मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का शुभारम्भ हुआ। जिसका उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता ने किया।

पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमान ने बताया कि इलाज में प्रयोग होने वाले उपकरण इंजीनियर और उद्यमियों के साथ मिलकर प्रोटोटाइप तैयार करेंगे। इसमें बीपी मशीन, शुगर जांच की मशीन, अल्ट्रा सांउड, थर्मामीटर, स्टंट, इम्प्लांट के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल होंगे। स्वदेशी तकनीक से बनने वाले इन उपकरण की कीमत भी काफी कम होगी। उपकरणों का निर्माण पीजीआई में बने मेडिकल सेंटर फार एक्सीलेंस में होगा। उन्होंने बताया कि यह सेंटर संस्थान में लाइब्रेरी भवन में 15 हजार वर्ग फुट में करीब 22 करोड़ रुपये से तैयार होगा। इसमें 50 स्टार्टअप को चुना जाएगा। ये स्टार्टअप मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में काम करेंगे। पीजीआई और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंफॉर्मेटिक्स विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। डा. धीमन ने बताया कि अभी चिकित्सा उपकरणों में 80 फीसदी दूसरे देशों के बने प्रयोग किए जा रहे हैं। देशी तकनीक पर आधारित मेडिकल उपकरण सेंटर में कम कीमत पर यहां उपलब्ध होंगे।

मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का शुभारंभकरते केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर

इससे मरीजों को सस्ता व सुगम इलाज मिलने के साथ ही शोध का दायरा भी बढ़ेगा। चिकित्सा क्षेत्र में जांच, ऑपरेशन के अलावा शरीर के विभिन्न अंगों में लगाए जाने वाले स्टंट, इम्प्लांट व बहुत से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरत होती है। अभी इन उपकरणों से लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिनकी कीमत बहुत ज्यादा है।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Spast Awaz**
Date	**19.12.2021**

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टमः राज्य मंत्री

लखनऊ। केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एसजीपीजीआई लखनऊ में स्थापित मेडटेक सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप सीओई मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए मंत्री राजीव ने कहा यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे कॉस.डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4.5 वर्षों के दौरान

प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृष्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है। इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने निर्यात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है।

क्रान्तिकारियों पर आधारित जायज हत्यारे का मंचन

लखनऊ। नगर की प्रतिष्ठित नाट्य संस्था आकांक्षा थियेटर आर्ट्स, लखनऊ द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (संस्कृति विभाग), नई दिल्ली के सहयोग से वर्ष 2021-22 के वेतन अनुदान के अन्तर्गत द्वितीय प्रस्तुति के रूप में देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित सुप्रसिद्ध नाटककार अल्बेयर कामू की मूल नाट्य रचना एवं हिन्दी नाट्य रूपान्तरण सुरेश भारद्वाज एवं दीपा साही लिखित नाट्य प्रस्तुति जायज हत्यारे का नाट्य मंचन नगर के वरिष्ठ रंग निर्देशक अशोक लाल के कुशल निर्देशन में स्थानीय बाल्मीकि सभागार, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी परिसर, गोमती नगर लखनऊ में सांयकाल 05:30 बजे मंचित किया गया। इस नाट्य प्रस्तुति को 60 दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत तैयार किया गया था। नाटक का उद्घाटन प्रदीप कुमार आई0ए0एस0 द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Rastriya Swaroop**
Date	**19.12.2021**

एसजीपीजीआई में मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट

राज्य के मेडिकल क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ में स्थापित मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने श्री चंद्रशेखर ने कहा यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।

उन्होंने ये भी कहा कि स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है।

मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आत्म निर्भर मिशन' को बढ़ावा देने में मदद की उम्मीद है। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है। आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उठाया है। इसने लाभार्थियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की सुविधा प्रदान की है जिसने नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Voice of Musafir**
Date	**19.12.2021**

लखनऊ में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने मेडटेक-सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) का किया उद्घाटन

लखनऊ। केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा। केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, ÷यह भविष्य में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलॉजी जैसे क्रॉस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।÷ उन्होंने ये भी कहा कि ÷स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि प्राप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।÷ इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार ने कहा कि ÷मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थान मिला है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं, को-वर्किंग/इनक्यूबेशन स्पेस, हाई स्पीड इंटरनेट (500 एमबीपीएस), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स और आईओटी लैब्स, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सहायता, मार्केटिंग के लिए सहायता और अन्य सुविधाओं के साथ नेटवर्क आउटरीच प्रदान करेगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार की साझेदारी में नवनिर्मित सुविधा को रणनीतिक रूप से पीजीआई मेडिकल में रखा गया है, जो मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है। मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वर्तमान में 10 अरब डॉलर होने का अनुमान है और 2025 तक 50 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत की जबरदस्त आयात निर्भरता भी है। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आत्म निर्भर मिशन' को बढ़ावा देने में मदद की उम्मीद है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थापित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है।आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उठाया है। इसने लाभार्थियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की सुविधा प्रदान की है जिसने भ्रष्टाचार, कदाचार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

Press Information Bureau Govt. of India, Regional Office Lucknow	
Name of the Newspaper	**Budaun Shikhar**
Date	**19.12.2021**

भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : राजीव चंद्रशेखर

लखनऊ : केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में स्थापित मेडटेक- सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का उद्घाटन किया। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान (हेल्थ इन्फर्मेटिक्स) के क्षेत्र में स्टार्टअप को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान और राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था का सपोर्ट करने के साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, यह क्षेत्रिय में मेडटेक सीओई मेडिकल प्लस टेक्नोलोजी जैसे बेस-डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को बढ़ावा दे सकता है। इस जगह से बड़े इनोवेशन की उम्मीद है। पिछले 4-5 वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी के सम्मुख किए गए कार्यों परिणाम ने भारत को कोविड काल के दौरान लचीलापन लाने में मदद की है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। इस परिदृश्य में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष महत्व है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान का संयोजन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को उत्प्रेरित कर सकता है।

उन्होंने ये भी कहा कि "स्टार्टअप और सीओई हमारे युवाओं के लिए अधिकतम अवसर पैदा कर सकते हैं। जनवरी 2021 से हम हर महीने 2 यूनिकॉर्न बढ़ा रहे हैं। कोविड से उबरने के बाद हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। हमें दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा एफडीआई प्राप्त हुआ है। जब माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में डिजिटल इंडिया का शुभारंभ किया, तो उन्होंने 3 उद्देश्य अर्थात प्रौद्योगिकी सक्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और रोजगार निर्धारित किए और भारत को उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक वैश्विक देश बनाया। हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बदल दिया है और आज अगर हम 100 रुपये भेज रहे हैं, तो नागरिकों को उनके खाते में समान राशि प्राप्त हो रही है। ये तकनीक के फायदे हैं।"

इस अवसर पर एसटीपीआई के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार ने कहा कि "मेडीटेक सीओई स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक मजबूत मॉडल प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाकर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। मेडटेक डोमेन में उत्पाद बनाने के लिए आईपीआर बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने, आयात को कम करने और भारत को मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र है।

मेडटेक सेंटर में इनक्यूबेशन के लिए 15 मेडटेक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। ये स्टार्टअप उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हैं और कुछ अन्य राज्यों से हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थान मिला है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्लग एंड प्ले सुविधाएं, को-वर्किंग/इनक्यूबेशन स्पेस, हाई स्पीड इंटरनेट (500 एमबीपीएस), मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफोर्मेटिक्स और आईओटी लैब्स, बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सहायता, मार्केटिंग के लिए सहायता और अन्य सुविधाओं के साथ नेटवर्क आउटरीच प्रदान करेगा।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजी पार्क ऑफ इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार की साझेदारी में नवनिर्मित सुविधा को रणनीतिक रूप से पीजीआई मेडिकल में रखा गया है, जो मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है।

मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वर्तमान में 10 अरब डॉलर होने का अनुमान है और 2025 तक 50 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत की जबरदस्त आयात निर्भरता भी है। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मेडी इलेक्ट्रॉनिक्स में घरेलू स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निर्धारित 'आत्म निर्भर मिशन' को बढ़ावा देने में मदद की उम्मीद है।

डिजिटल इंडिया पहल के तहत उत्तर प्रदेश ने नए मानक स्थापित किए हैं। लगभग 21 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह राज्य भारत के डिजिटल पहचान कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा माना जाता है।आधार का लाभ उठाकर राज्य के 15 करोड़ से अधिक लोगों ने केंद्र/राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत लाभ उठाया है। इसने लाभार्थियों के खातों में लाभ के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की सुविधा प्रदान की है जिसने भ्रष्टाचार, कदाचार को दूर किया है और नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है।

प्रेस-वे

ा प्रसारण